हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)
(वसंत)(पाठ 14)(खानपान की बदलती तसवीऱ)
(कक्षा 7)

प्रश्न अभ्यास

निबंध से

प्रश्न 1:

खानपान की मिश्रित संस्कृति से लेखक का क्या मतलब है ? अपने घर के उदाहरण देकर इसकी व्याख्या करें ?

उत्तर 1:

खानपान की मिश्रित संस्कृति से लेखक का तात्पर्य यह है कि हम अपने स्थानीय व्यंजनों के साथ–साथ देश के विभिन्न प्रांतों के पकवानों व व्यंजनों का स्वाद जानें और उनका भी आनंद लें जिससे कि व्यंजनों की विविधता और उसके स्वाद तथा उनके बनाने की विधि को भी जान सकें । जैसे कि कोई उत्तर भारतीय यदि अपने घर में रोटी , पूड़ी , पॅराठे ,दाल–चावल का आनंद लेता है , तो वह कभी–कभी दक्षिण भारत के व्यंजन इडली–डोसा–सॉभर को बनाकर उन व्यंजनों का आनंद भी ले लेता है ।

प्रश्न 2:

खानपान में बदलाव के कौन से फायदे हैं ? फिर लेखक इस बदलाव को लेकर चिंतित क्यों है ?

उत्तर 2:

खानपान में बदलाव के बहुत से फायदे हैं जैसे कि –

- 1. रोज एक तरह का खाना नहीं खाना पड़ता ।
- 2. दूसरे स्थानों के व्यंजनों का आनंद हम एक ही स्थान पर ले सकते हैं
- 3. रोज के खाने में विविधता आ गई हैं ।
- 4. जल्दी या देर से पकने वाले व्यंजनों के बारे में पता चलता हैं ।
- 5. समय के अनुसार व्यंजन का निर्धारण किया जा सकता है ।

नुकसान यह है कि –

- 1. स्थानीय व्यंजनों के बारे में लोगों का रुझान कम होता जा रहा है ।
- 2. लोग अपने व्यंजनों को छोड़कर दूसरे व्यंजनों को ज्यादा महत्व देने लगे हैं ।
- 3. स्थानीय व्यंजन अपने स्थान पर धीरे–धीरे लुप्त होने लगे हैं। उनका प्रचलन दूसरे स्थानों पर बढ़ने लगा है ।

प्रश्न 3:

खानपान के मामले में स्थानीयता का क्या अर्थ है?

उत्तर 3:

पूरे देश में हर जगह के खाने की अलग–.अलग बात है कही का कुछ मशहूर है , तो कहीं का कुछ जैसे आगरे का पेठा , बिहार का लिट्टी–चोखा , पंजाब का सरसों की रोटी चने का साग , बंगाल का रसगुल्ला आदि । ये सब अपनी जगह के अनुसार मशहूर हैं , मगर हर आदमी तो इनका स्वाद उस स्थान पर जाकर नहीं ले सकता । इसीलिए जगह–जगह लिखा होता है कि अमुक स्थान की मशहूर चीज यहॉ मिलती है और लोग उसी स्थान की वस्तु का नाम के आधार पर आनंद ले लेते हैं ।

हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)
(वसंत)(पाठ 14)(खानपान की बदलती तसवीऱ)
(कक्षा 7)

निबंध से आगे

प्रश्न 1:

घर में बातचीत करके पता कीजिए कि आपके घर में क्या चीजें पकती हैं और क्या चीजें बनी–बनाई बाजार से आती हैं ? इनमें से बाजार से आने वाली कौन सी चीजें आपके माँ–पिता जी के बचपन में घर में बनती थी ?

उत्तर 1:

छात्र अपनी योग्यता से उत्तर देने का प्रयास करेंगे ।

प्रश्न 2:

यहाँ खाने, पकाने और स्वाद से संबंधित कुछ शब्द दिए गए हैं। इन्हें ध्यान से देखिए और इनका वर्गीकरण कीजिए

उबालना, तलना, भूनना, सेंकना, दाल, भात, रोटी, पापड़, आलू, बैंगन, खट्ट'ा, मीठा, तीखा, नमकीन, कसैला ।

भोजन कैसे पकाया स्वाद–

उत्तर 2:

भोजन	कैसे पकाया	स्वाद
दाल	उबाला	नमकीन
भात	उबाला	नमकीन और फीका
रोटी	सेंकी	फीकी और मीठी
पापड़	भूना ,तला	नमकीन
आलू	भूना , उबाला	नमकीन
बैंगन	भूना ,उबाला	नमकीन और कसैला

प्रश्न 3:

छौंक चावल कढ़ी

इन शब्दों में क्या अंतर है ? समझाइए। इन्हें बनाने के तरीके विभिन्न प्रांतों में अलग–अलग हैं। पता करें कि आपके प्रांत में इन्हें कैसे बनाया जाता है।

उत्तर 3:

छात्र अपने घर के बड़ों या इंटरनेट की सहायता से इन सबके बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे ।

प्रश्न 4:

पिछली शताब्दी में खानपान की बदलती हुई तसवीर का खाका खींचें तो इस प्रकार होगा ।

सन् साठ का दशक छोले–भटूरे
सन् सत्तर का दशक इडली, डोसा
सन् अस्सी का दशक तिब्बती ;चीनी भोजन
सन् नब्बे का दशक पीजा, पाव–भाजी

इसी प्रकार आप कुछ कपड़ों या पोशाकों की बदलती तसवीर का खाका खींचिए।

उत्तर 4:
छात्र अपने माता–पिता या इंटरनेट की सहायता से जानकारी इकट्ठा करेंगे कक्षा में कार्य सूची प्रस्तुत करेंगे।

प्रश्न 5:
मान लीजिए कि आपके घर कोई मेहमान आ रहे हैं जो आपके प्रांत का पारंपरिक भोजन करना चाहते हैं। उन्हें खिलाने के लिए घर के लोगों की मदद से एक व्यंजन–सूची ;मेन्यू बनाइए।

उत्तर 5:
छात्र अपने घर , प्रांतीयता व सुविधा के आधार पर मेहमानों के लिए व्यंजन सूची का निर्माण करेंगे ।

अनुमान और कल्पना

प्रश्न 1:
फास्ट –फूड यानी तुरंत भोजन के नफे–नुकसान पर कक्षा में वाद–विवाद करें।

उत्तर 1:
छात्र अपने अध्यापक की सहायता से उपरोक्त विषय पर कक्षा में वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन करेंगे।

प्रश्न 2:
हर शहर, कस्बे में कुछ ऐसी जगहें होती हैं जो अपने किसी खास व्यंजन के लिए जानी जाती हैं। आप अपने शहर, कस्बे का नक्शा बनाकर उसमें ऐसी सभी जगहों को दर्शाइए।

उत्तर 2:
छात्र अपने शहर की भौगोलिक स्थिति के अनुरूप नक्शा बनाते हुए उसमें जगहों का निर्धारण करेंगे ।

प्रश्न 3:
खानपान के मामले में शुद्धता का मसला काफी पुराना है। आपने अपने अनुभव में इस तरह की मिलावट को देखा है ? किसी फिल्म या अखबारी खबर के हवाले से खानपान में होने वाली मिलावट के नुकसानों की चर्चा कीजिए।

उत्तर 3:
जैसे–जैसे लोगों में बाहर खाने का चलन बढ़ रहा है वैसे–वैसे मिलावट का धंधा भी जोर पकड़ रहा है । आज के समय में बाजार में लगभग हर वस्तु में मिलावट देखने को मिलती है लोग अपने थोड़े से फायदे के लिए लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने में भी नहीं हिचकिचाते और लोग स्वाद के कारण उस मिलावटी सामान को खा जाते हैं जिसके दूरगामी परिणाम भी देखने को मिलते हैं और नई–नई बीमारियों का शिकार हो जाते हैं ।